भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 3345

बुधवार, 09 अगस्त, 2023 को उत्तर देने के लिए

नई अंतरिक्ष नीति

3345. श्री सु. थिरुनवुक्करासर:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने नई अंतरिक्ष नीति को अनुमोदित कर दिया है;

(ख) यदि हां, तो इसकी विशेषताओं सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार ने एक स्वायत्त शासी निकाय, भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन एवं प्राधिकरण केन्द्र (इन-स्पेस) और लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी-इंडिया (एलआईजीओ-इंडिया) की स्थापना की है;

(घ) यदि हां, तो इसका अनुमानित लागत और इसके प्रस्तावित कार्यों सहित तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार ने हाल ही में चन्द्रयान-3 का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) एवं (ख)

जी, हां। भारतीय अंतरिक्ष नीति – 2023 को अनुमोदित कर दिया गया है और यह सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। यह नीति अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था की समग्र मूल्य श्रृंखला में गैर सरकारी कंपनियों (एन.जी.ई.) की अधिक सहभागिता के लिए इस क्षेत्र को खोलती है, साथ ही विभिन्न हितधारकों यथा – इन-स्पेस, इसरो, एनसिल और अंतरिक्ष विभाग की भूमिका को स्पष्ट रूप से परिभाषित करती है।

(ग) एवं (घ)

जी हां।

...2/-

भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (इन-स्पेस)

सरकार ने अंतरिक्ष कार्यकलापों के संवर्धन और प्राधिकरण के लिए एकल खिड़की एजेंसी के रूप में भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंन्द्र (इन-स्पेस) का गठन किया है। इन-स्पेस के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार हैं:

2021-22	रु.10 करोड़
2022-23	रु. 33 करोड़
2023-24	रु. 95 करोड़

लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी-इंडिया (एल.आई.जी.ओ.-इंडिया)

भारत सरकार द्वारा अग्रणी एजेंसी के रूप में परमाणु ऊर्जा विभाग के साथ रु. 2600 करोड़ की अनुमानित लागत से एल.आई.जी.ओ.-इंडिया परियोजना को अनुमोदन प्रदान किया गया है। परियोजना पूर्ण हो जाने के बाद, एल.आई.जी.ओ.-इंडिया खगोलविज्ञान से संबंधित क्षेत्रों में गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाने और अनुसंधान के लिए राष्ट्रीय सुविधा के रूप में प्रचालित की जाएगी।

(ङ) जी, हां। चंद्रयान-3 अंतरिक्षयान को एल.वी.एम.-3 द्वारा 14 जुलाई, 2023 को 14:35 बजे सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, शार से सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया। वर्तमान में, अंतरिक्षयान ट्रांसलूनर कक्षा में है और अगस्त 5, 2023 को चंद्र-कक्षा अंतःक्षेपण (एल.ओ.आई.) की योजना है।

***